S-206

Total Pages : 3 Roll No. .....

MAHL-505

हिंदी साहित्य का इतिहास और आदिकालीन कविता (भाग दो)

एम.ए हिंदी

2nd Semester Examination, 2022 (Dec.)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×19=38)

1. रासो कविता की प्रमुख विशेषताओं के आधार पर आदिकाल की केंन्द्रीय भावभूमि पर विचार कीजिए।

2. जैन साहित्य की काव्यगत विशेषताओं पर सविस्तार विचार कीजिए।

3. नाथ साहित्य की ऐतिहासिक भूमिका पर प्रकाश डालिए।

4. खड़ी बोली कविता के विकास क्रम में अमीर खुसरो के योगदान की स्पष्ट विवेचना कीजिए।

5. आदिकालीन कविता के काव्य रूपों व भाषा पर विचार कीजिए।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×8=32)

1. विद्यापति की पदावली पर विचार कीजिए।

2. सिद्ध साहित्य और नाथ साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन प्रस्तुत कीजिए।

3. गोरखनाथ पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

4. जैन साहित्य के हिंदी साहित्य के विकास में योगदान को रेखांकित कीजिए।

5. रासो साहित्य की प्रमुख कृतियों पर विचार कीजिए।

6. आदिकाल की भाषाई भूमिका पर विचार कीजिए।

7. दोहा छंद पर विचार कीजिए।

8. आदिकाल के प्रमुख नामरण पर विचार कीजिए।